Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

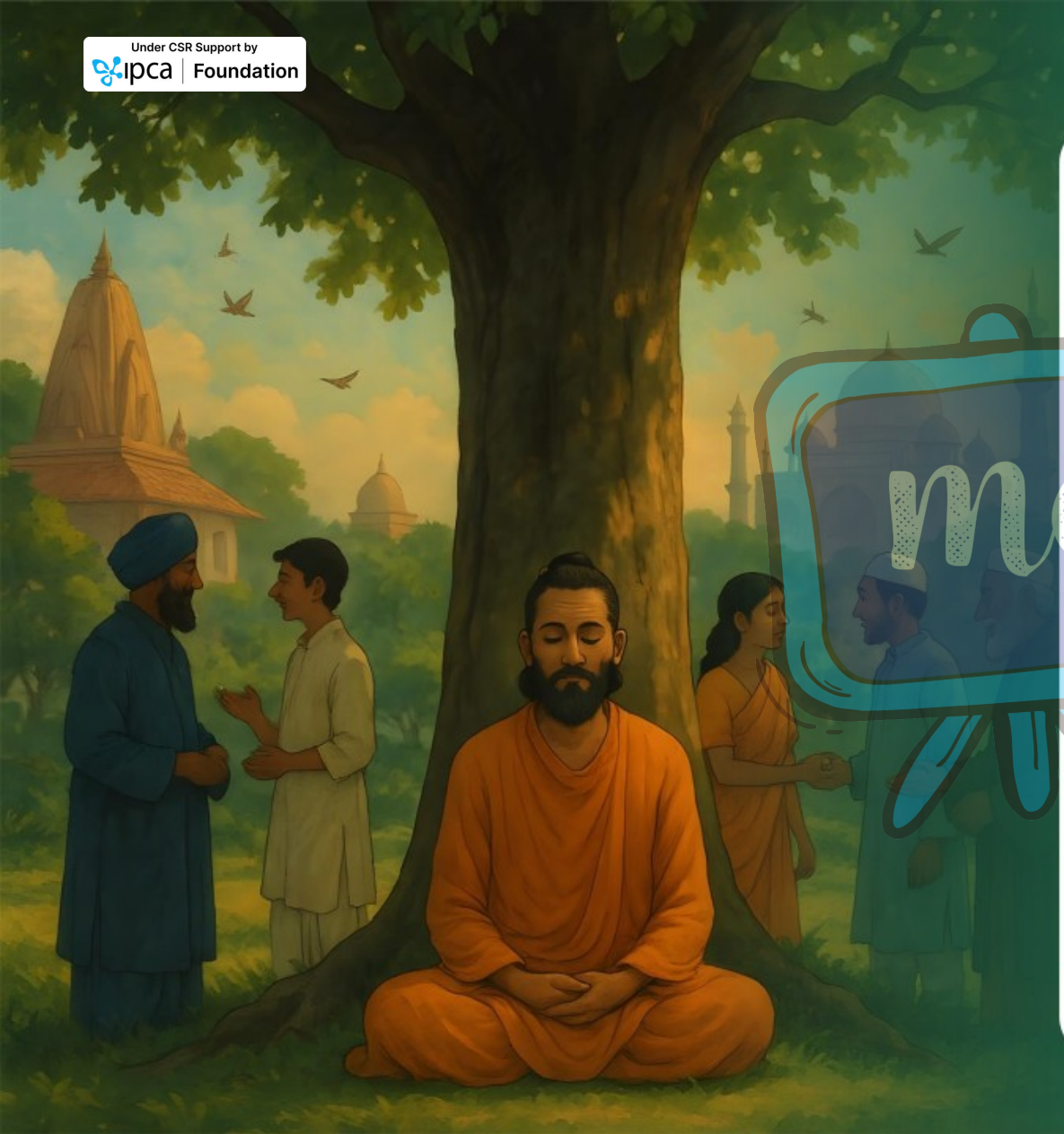

कक्षा – 9

हिन्दी

क्षितिज (काव्य खंड)

अध्याय –7 : साखियाँ, सबद (पद) (कबीर)

भाग – 5

अभ्यास प्रश्न - I

कुशाल सोलंकी

अभ्यास प्रश्न

साखियाँ

1. 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है?



तात्पर्य
↓
मतलब
↓
कहना चाहते

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



साखियाँ

1. 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है?

उत्तर : मानसरोवर के दो अर्थ हैं–

- एक पवित्र सरोवर जिसमें हंस विहार करते हैं।
- पवित्र मन या मानस।

① मानसरोवर :- एक झील (कैलाश पर्वत के पास)

② ( ) मन रूपी सरोवर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है?

परख





2. कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है?

उत्तर : कवि के अनुसार सच्चे प्रेमी की कसौटी यह है कि उससे मिलने पर मन की सारी मलिनता नष्ट हो जाती है। सारे पाप धुल जाते हैं।

→ मन की सारी बुराइयाँ समाप्त होकर अमृतमय बन जाती है

अभ्यास प्रश्न



3. तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार के ज्ञान को महत्व दिया है?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



3. तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार के ज्ञान को महत्व दिया है?

उत्तर : इस दोहे में अनुभव से प्राप्त आध्यात्मिक ज्ञान को महत्व दिया गया है।

आधे + आत्म

अध्यात्म + इक

आध्यात्मिक

अनुभव से

धार्मिक



4. इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है?





4. इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है?

उत्तर : कबीर के अनुसार, सच्चा संत वह है जो सांप्रदायिक भेदभाव, तर्क-वितर्क और वैर-विरोध के झगड़े में न पड़कर निश्छल भाव से प्रभु की भक्ति में लीन रहता है।

अभ्यास प्रश्न



5. अंतिम दो दोहों के माध्यम से कबीर ने किस तरह की संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है?





5. अंतिम दो दोहों के माध्यम से कबीर ने किस तरह की संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है?

उत्तर : अंतिम दो दोहों में कबीर ने निम्नलिखित संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है–

- अपने-अपने मत को श्रेष्ठ मानने की संकीर्णता और दूसरे के धर्म की निंदा करने की संकीर्णता।
- ऊँचे कुल के अहंकार में जीने की संकीर्णता।



6. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।





6. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर : किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है, न कि ऊँचे कुल से। आज तक हजारों राजा पैदा हुए और मर गए। परंतु लोग जिन्हें जानते हैं, वे है - राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि। इन्हें इसलिए जाना गया क्योंकि ये केवल कुल से ऊँचे नहीं थे, बल्कि इन्होंने ऊँचे कर्म किए। इनके विपरीत कबीर, सूर, तुलसी बहुत सामान्य घरों से थे। इन्हें बचपन में ठोकरें भी खानी पड़ीं।

अभ्यास प्रश्न





परंतु फिर भी वे अपने श्रेष्ठ कर्मों के आधार पर संसार-भर में प्रसिद्ध हो गए। इसलिए हम कह सकते हैं कि महत्व ऊँचे कर्मों का होता है, कुल का नहीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



7. काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।

स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झख मारि।

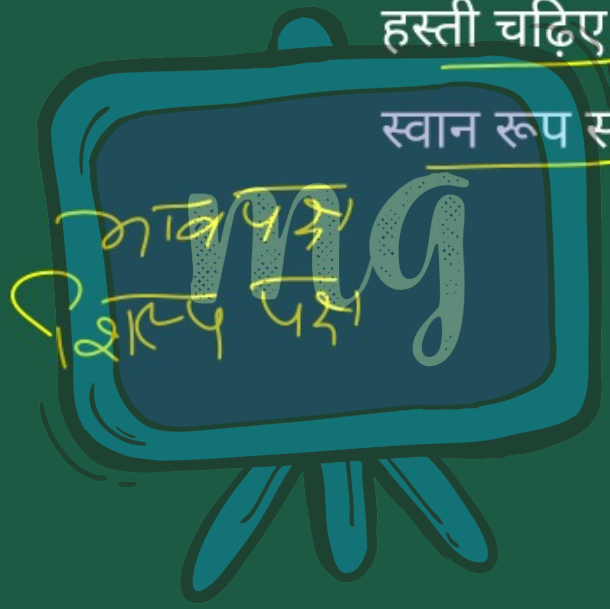

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



7. काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भँकन दे झख मारि।

उत्तर :

☛ इसमें कवि ने एक सशक्त चित्र उपस्थित किया है। सहज साधक मस्ती से हाथी पर चढ़े हुए जा रहे हैं और संसार-भर के कुत्ते भौंक-भौंककर शांत हो रहे हैं परंतु वे हाथी का कुछ बिगाड़ नहीं पा रहे। यह चित्र निंदकों पर व्यंग्य है और साधकों के लिए प्रेरणा है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- सांगरूपक अलंकार का कुशलतापूर्ण प्रयोग किया गया है –
  - ज्ञान रूपी हाथी
  - सहज साधना रूपी दुलीचा
  - निंदक संसार रूपी श्वान
  - निंदा रूपी भौंकना।
- 'झख मारि' मुहावरे का सुंदर प्रयोग।
- 'स्वान रूप संसार है' एक सशक्त उपमा है।